

म. ग्रं. सं. ठाणें

तचें

विषय

शिव

सं. नं.

५०



REFBK-0019493

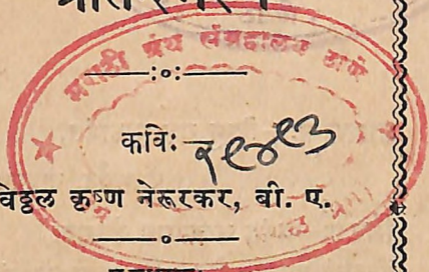
REFBK-0019493

जयशाली त्वशस्त्रोऽसौ

नाभिषिक्तोऽपि भूपतिः ॥

२१. काल

हिंदवासीयांचें आजचें
प्रातःस्मरण



कवि: *२१०३*

विठ्ठल कृष्ण नेरुरकर, बी. ए.

प्रकाशक:-

विष्णु लक्ष्मण सामंत



REFBK-0019493

REFBK-0019493

कामत एक आणा.

प्रकाशकः—विष्णु लक्ष्मण सामंत,

कॅपमर्चंट, माधववाग, मुं

प्रिंटरः—अनंत आत्माराम मोरमकर,

श्रीलक्ष्मी नारायण प्रेस, ४०२ ठाकुरद्वार, मुंबई, नं

दोधैहि झालिं वश पूर्णपणें जयाला
 प्रातर्नमामि बळवंतमहाशयाला. ३

प्रातर्नमामि शिवशंकर कृत्तिवासा
 योगी बनूनि करि पर्वतकूटिं वासा
 जो वृत्तिभंग करि त्या नयनाग्नि दाही
 प्रातःस्मरामि टिळकाप्रति सर्वदाही. ४

प्रातःस्मरामि बलभीम सुधी मनस्वी
 वैदेहिमुक्ति करि होउनियां यशस्वी
 हिंदोन्नतिस्तवच सागर लंघियेला
 प्रातर्नमामि टिळका सुगुणालयाला. ५

प्रातर्नमामि मनबोधक रामदासा
 जो राजकारणिं करी कृतविद्य दासा
 धर्मावना करि लिहूनिहि ग्रंथराज
 प्रातःस्मरामि बळवंत जनाधिराज. ६

प्रातःस्मरामि धृतिवंत युधिष्ठिरातें
 सोडी स्वभूमि परि राखि शुचिव्रतातें
 येतांच संधि निज दाखवि जो प्रभावा
 प्रातर्नमामि बळवंत महानुभावा. ७

प्रातर्नमामि नळभूपति पुण्यशाली
 क्रीडेंत वामपथि ज्यावरि हार आली
 त्यातें तरी सुजन-वंदित-पादपद्मा
 प्रातःस्मरामि टिळका गुणमुक्तसद्मा. ८

प्रातःस्मरामि शिवभूपति सत्वधीर
 जो संघशक्ति जमवी शिकवूनि वीर
 साधोनि राष्ट्रगतवैभव पापभीरू
 प्रातर्नमामि बळवंत सुधीरमेरू. ९

प्रातर्नमामि तरवार खरी भवानी
 सत्येतिहासरत लोक सदाहि वानी

राष्ट्रीं फिरोनि अरिदर्प सफा हरीला
 प्रातःस्मरामि टिळकां नर-केसरीला. १०

प्रातःस्मरामि भगवा यशमूर्ति झेंडा
 जो राष्ट्रभूति-तरुचा अति उंच शेंडा
 नामें गतस्मरण दे स्फुरणाहि हाता
 प्रातर्नमामि बळवंत असा ' मराठा. ' ११

प्रातर्नमामि जननी निज हिंदमाता
 यत्पूर्वकीर्ति उभवी अजि लोकमाथा
 आत्मोन्नति-स्थितिघिर्शां मनिंचा भरोंसा
 प्रातःस्मरामि टिळकाख्य कुलावतंसा. १२

प्रातःस्मरामि सुपितामह भाइ दादा
 जो पार्लमेंटि करि जाउनियां विवादा
 ध्येय ' स्वराज्य ' ठरवी धरुनी हुरुपा
 प्रातर्नमामि बळवंत सुकीर्तिरूपा. १३

प्रातर्नमामि पुरुषा गुणसत्तमाला
 जो विष्णुशास्त्रि विरचो सुनिबंधमाला
 दे जागृती लिहुनि लेख सरी न अन्या
 प्रातःस्मरामि टिळका बुधलोकमान्या १४

प्रातःस्मरामि नर भारतसेवकास
 जो सोशि हाल अति भार तसेच खास
 प्राणांतिही करित भारत-चिंतनाला
 प्रातर्नमामि बळवंत नरोत्तमाला. १५

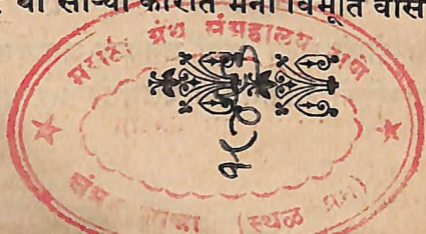
प्रातर्नमामि नर माधव रानड्यांला
 ज्यांनीं स्वराष्ट्र-हितसाधनिं यत्न केला
 सेवी सदा तनुमनें निज मायभूला
 प्रातःस्मरामि टिळकाख्य जनप्रभूला १६

पुण्यश्लोको नलो धर्मो जनकश्च जनार्दनः
 पुण्यश्लोको लोकमान्यो बलवंतो नराग्रणिः

चंद्रगुप्तः पृथ्वीराजः स्वदेशहितसाधकाः
 प्रतापः शिवराजश्च टिळकस्तु विशेषतः १८
 यशावाप्तिरभूत्तेषां समरे शस्त्रधारिणाम्
 जयशालीत्वशस्त्रोऽसौनाभिषिक्तोऽपिभूपतिः

प्रभातीं मनीं राम चिंतीत जावा
 जयाने जरी मित्र हातीं धरावा
 न त्या दुर्घटां संकटांही त्यजावा
 प्रभातीं असा "वाळ" चिंतीत जावा. २०

हे प्रातःस्मरण कुणी करी तरी तो
 सर्वांही नरमणिंच्या गुणां वरीतो
 कर्तव्या करित जरी धरुनिं आस
 : या साच्या करिति मनीं विभूति वास. २१



सं. ११०५ ५५५



REFBK-0019493

REFBK-0019493

देशबांधवांस खबर.

आमच्या दुकानीं सर्व तऱ्हेच्या मखमलीच्या व खऱ्या जरीच्या टोप्या, फॅन्सी ड्रेस व राजा रविवर्माचीं खऱ्या जरीनें भूषविलेलीं पिक्चर्स तसेंच आरसे व गंजिफ्राक, हातरुमाल, मोजे वगैरे होजियरी माल किफायत भावानें विकत मिळेल.

मालक—

एस्. आर. नाईक आणि कंपनी,
मारवाडी बाजार, मुंबई.

आमचेकडे सर्व प्रकारचीं पुस्तकें विक्रीस तयार असतात.

मिळण्याचा पत्ता:—भावे आणि मंडळी
टाकुरद्वार, मुंबई.

२६

21-3-18

- | | | |
|---|-----|-----|
| ① | 231 | 172 |
| ② | 110 | 166 |
| ③ | 352 | 184 |
| ④ | 176 | 135 |
| ⑤ | 106 | |
| ⑥ | 120 | |
| ⑦ | 158 | |
| ⑧ | 161 | |
| ⑨ | 142 | |
| ⑩ | 195 | |
| ⑪ | 180 | |
| ⑫ | 62 | |
| ⑬ | 100 | |
| ⑭ | 200 | |
| ⑮ | 68 | |
| | 428 | |
- 1506